Dainik Bhaskar (Indore), 22nd October 2022, Page-07

IIT इंदौर में सर्न के वैज्ञानिक का व्याख्यान, तकनीकी अवसरों की जानकारी दी

क्वॉर्क ग्लुऑन प्लाज्मा वह पदार्थ है जो विश्व के निर्माण के वक्त शुरुआती क्षणों में बना था

भास्कर संवाददाता | इंदौर

जिनेवा (स्विट्जरलैंड) स्थित सर्न प्रयोगशाला में एलिस प्रयोग के प्रवक्ता डॉ. लूसियानो मूसा ने आईआईटी इंदौर में शुक्रवार को व्याख्यान दिया। इसका मुख्य विषय था 'क्वॉर्क ग्लुऑन प्लाज्मा से संबंधित वैज्ञानिक और तकनीकी चुनौतियां'। उनके साथ कार्यक्रम में एलिस के पूर्व उप प्रवक्ता डॉ. तपन कुमार नायक भी मौजूद थे। डॉ. मूसा ने व्याख्यान में क्वॉर्क ग्लुऑन प्लाज्मा के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया सर्न के लार्ज हैड्रन कोलाइडर का यह प्रयोग विश्व में परमाणु और उप परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में एक अनूठा और सबसे बड़ा प्रयोग है। इस प्रयोग का मुख्य उद्देश्य क्वॉर्क ग्लुऑन प्लाज्मा के गुणों एवं विशेषताओं को रेखांकित करना है। यह प्लाज्मा वह पदार्थ है जो विश्व के निर्माण के वक्त बिग बैंग (महाविस्फोट) के बाद शुरुआती क्षणों में बना था, इससे इस ब्रह्मांड का निर्माण होना माना जाता है।

सेमिनार में कई शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक एवं छात्र भी शामिल हुए

डॉ. मूसा ने एलिस की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों, इसकी लॉन्ग टर्म योजनाओं के बारे में बताया। सर्न द्वारा दी जाने वाली वैज्ञानिक व तकनीकी अवसरों की जानकारी दी। सेमिनार में आसपास की अन्य शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक एवं छात्र भी शामिल हुए।